an>

Title: Regarding need to decentralization of MPLAD Scheme according to local needs.

श्री शरद त्रिपाठी (संत कबीर नगर): अध्यक्ष जी, सबसे पहले तो मुझे खेद के साथ यह कहना पड़ रहा है कि जो कांग्रेस पार्टी पहले कभी भ्रÂटाचार के लिए जानी जाती थी, वह आज लोकतांत्रिक अत्याचार पर उतारू होकर आपके धैर्य की परीक्षा ले रही है।...(व्यवधान) इसकी मैं निंदा करता हूं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष जी, सांसद क्षेत्र विकास निधि को संचालित करने के लिए केन्द्र के दिशा-निर्देश होने के कारण होता यह है कि अलग-अलग राज्यों में स्थानीय स्तर पर जन समस्याएं अलग-अलग हैं।...(व्यवधान) उत्तराखण्ड, नागालैंड, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में स्थानीय स्तर पर सांसद अपनी विकास निधि से त्वरित विकास कार्यों हेतु किस मद में धन आवंटित करे, इसकी परिभाÂ◌ा◌ा करने के लिए भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा एक ही गाइडलाइन पूरे देश के लिए लागू है।...(व्यवधान)

महोदया, मेरी आपके माध्यम से यह मांग है कि आप केन्द्र सरकार को निर्देश दे कि एक ऐसी गाइडलाइन बनाई जाए, जो स्थानीय स्तर की समस्याओं का निराकरण करने के लिए, वहां के स्थानीय सांसदों के अनुरूप हो।...(व्यवधान) स्थानीय सांसद अगर चाहें कि इसमें तत्काल धन आवंटित करके वे वहां की समस्याओं का निराकरण कर सकते हैं, तो उनकी अध्यक्षता में एक कमेटी बनाकर स्थानीय स्तर पर उसके आवंटन की व्यवस्था कराने के लिए सरकार को निर्देशित करने की कृपा करें।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र, कुँवर पुÂपेन्द्र सिंह चन्देल एवं श्री सुधीर गुप्ता को श्री शरद त्रिपाठी द्वारा उठाए गए विÂ◌ाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।